स्मृतिशेष –माननीय श्री ओंकार जी भावे

आदर्श स्वयंसेवक श्री ओंकार जी भावे का निधन

नई दिल्ली, 23 जुलाई 09।

विश्व हिन्दू परिषद के अन्तर्राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री ओंकार जी भावे का गुरुवार 23 जुलाई को देहावसान हो गया। वे 85 वर्ष के थे। उनका जन्म 26 जुलाई, 1924 को आजमगढ़ (उ. प्र.) में हुआ था। श्री ओंकार भावे 1938 में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवक बने। 1945 में प्रयाग विश्वविद्यालय से बी. ए. करने के उपरान्त श्री भावे संघ के जीवनव्रती प्रचारक बने।

श्वांस लेने में कठिनाई होने के कारण उन्हें 27 जून, 2009 को नई दिल्ली स्थित राममनोहर लोहिया अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उनके दाहिने फेफड़े में जकड़न थी। उनके छोटे भाई श्री शंकर भावे और भतीजे श्री गोविन्द भावे उन्हीं के पास थे। श्री शंकर भावे संघ के कार्यकर्त्ता हैं।

प्रकाशन क्षेत्र में उनकी विशेष रुचि थी। श्री माँ जन्म शताब्दी समारोह समिति में भी वे सक्रिय रुपेण सहभागी रहे। 'हिन्दू विश्व' पाक्षिक के वे प्रकाशक व सम्पादक थे। संस्कृति सरगम के वे प्रकाशक व स्वामी थे। स्वर्गीय जगन्नाथराव जोशी के जीवन पर मराठी में लिखे बड़े ग्रन्थ का उन्होंने हिन्दी अनुवाद किया, जो प्रकाशित हुआ। वीर सावरकर और छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन पर स्वर्गीय जगन्नाथराव जोशी के दो भाषणों का हिन्दी अनुवाद करके प्रकाशित कराया।

श्री भावे का सारा जीवन राष्ट्र सेवा में समर्पित रहा तथा उनका आराध्य–संगठन कार्य रहा। 1982 में वे विश्व हिन्दू परिषद उत्तर प्रदेश के संस्कृति रक्षा योजना के प्रमुख बने। अप्रैल, 1984 में श्रीराम जन्मभूमि आन्दोलन में वे श्रीराम जन्मभूमि मुक्ति यज्ञ समिति एवं धर्मस्थान मुक्ति यज्ञ समिति के वरिष्ठ मंत्री बने। 1984 से लेकर अन्तिम समय तक वे श्रीराम जन्मभूमि मुक्ति आन्दोलन से सक्रियता के साथ जुड़े रहे। 1995 में वे विश्व हिन्दू परिषद के संयुक्त महामंत्री तथा 2009 में विश्व हिन्दू परिषद उपाध्यक्ष बने।

अन्तिम समय पर विश्व हिन्दू परिषद के परामर्शदाता श्री आचार्य गिरिराज किशोर, अन्तर्राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अशोक सिंहल, अन्तर्राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष श्री एस0 वेदान्तम, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पूर्व सरसंघचालक श्री कु0 सी0 सुदर्शन, भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठतम नेता श्री लालकृष्ण आडवाणी, भाजपा अध्यक्ष श्री राजनाथ सिंह, राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष श्री अरूण जेटली, श्री वेंकैया नायडू, श्री बाल आप्टे, श्री अनंत कुमार, श्री रामलाल, श्री श्याम जाजू, संघ के वरिष्ठ प्रचारक श्री मधुभाई कुलकर्णी, विद्या भारती के प्रमुख श्री ब्रह्मदेव भाई, श्री सूर्यकृष्ण, साध्वी ऋतम्भरा, श्री विनय कटियार, डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी शोध अधिष्ठान के निदेशक श्री तरुण विजय आदि ने भावे जी के पार्थिव शरीर पर पुष्पांजलि अर्पित की।